

# हमारी आँखों के बीच दूरी क्यों होती है?

- कागज़ पर एक छोटा-सा गोला बनाओ। इसे अपने से कुछ दूर रखो। अब एक आँख बन्द कर के गोले के बीच में एक निशान लगाने की कोशिश करो। मुश्किल हुई न? अब दोनों आँखें खोल कर निशान लगाने की कोशिश करो। है न, आसान!
- एक टेबिल पर पेंसिल को इस तरह रखो कि उसका नुकीला हिस्सा बाहर की ओर निकला रहे। अब उसके सामने बैठ जाओ। अपनी एक आँख बन्द कर लो। अब अपनी उँगली से पेंसिल के बाहर निकले हिस्से को छूने की कोशिश करो। शर्त यह है कि उँगली को टेबिल के किनारे से उसके समानान्तर लेकर पेंसिल की नोक तक लाना है। क्या उँगली नोक तक आसानी से पहुँच गई? अब यही काम आँखें खोलकर करो? कितना आसान है न!
- किसी फूल को केवल दाईं आँख से देखो। फिर केवल बाईं से देखो। दोनों बार फूल एक-सरीखे दिखे या थोड़ा अलग दिखे?



असल में हमारी आँखों के बीच दूरी के कारण ही हम देखी जाने वाली चीज़ों की एकदम सही स्थिति जान पाते हैं। जब हम केवल एक आँख से देखते हैं तो दूरी और गहराई जैसी नाप नहीं जान पाते हैं। किसी चीज़ की स्थिति उसे दानों की केवल दिशा पता चलती है। दाने कितनी दूर तय करने के लिए दो माप ज़रूरी होते हैं। दोनों आँखें एक ही चीज़ की अलग-अलग छवियाँ बनाती हैं। मस्तिष्क इन्हें आपस में मिलाकर एक पूरी तस्वीर बनाता है।

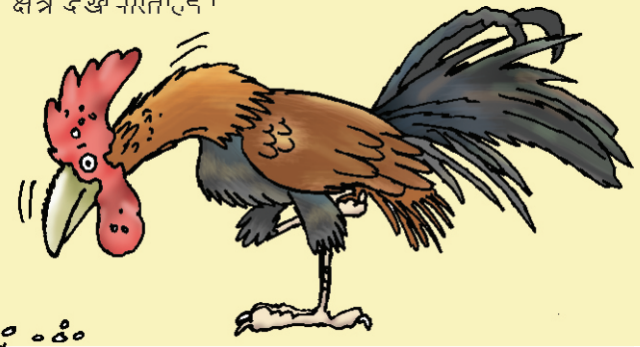
**आँखों के बीच की दूरी से हमें एक और सहूलियत होती है। वह क्या है यह जानने के लिए एक और खेल करते हैं।**

दोनों हाथ अपने चेहरे के आगे रखो। अब धीरे-धीरे दोनों हाथों को पीछे की ओर ले जाओ। ऐसा करते रहो जब तक वे आँखों से ओझल न हो जाएँ।

अब यही काम एक आँख बन्द करके करो। तुम देखोगे कि जिस ओर की आँख बन्द है उस ओर का हाथ दूसरे वाले हाथ से पहले ही दिखना बन्द हो जाएगा।

यही तो है वो सहूलियत जो हमें आँखों के बीच की दूरी से मिलती है। इससे हमें दिखने वाला क्षेत्र बढ़ जाता है।

उन पक्षियों के बारे में सोचो जिनकी आँखें सिर के दोनों ओर होती हैं। जैसे मुर्गी को ही लो। सिर के दोनों ओर आँखें होने से वे बहुत बड़ा क्षेत्र देख पाती हैं। मगर इससे आँखें होने से वे बहुत बड़ा क्षेत्र देख पाती हैं। मगर इससे करना होता है। वो लगातार अपना सिर हिलाती रहती है ताकि दाने को उस क्षेत्र में ला सके जिसे दोनों आँखें एक-साथ देख सकती हैं। तभी वो दाना चुग पाएगी। हमारी आँखें सामने होती हैं। इस कारण वे एक-साथ काफी सारा क्षेत्र देख पाती हैं।



## करके देखो

अपना सन्तुलन बनाए रखने में भी हम अपनी आँखों की मदद लेते हैं। एक टॉग पर खड़े होकर देखो। दोनों आँखें खुली हों तो काफी देर तक खड़े रह सकते हो। अब ज़रा एक आँख बन्द करके यही करने की कोशिश करो!